

5 साल तक 'बैंक' में रहेगा छात्रों का डाटा

एबीसी योजना को लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय बना लखनऊ विश्वविद्यालय

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(5Aug): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बैंक ऑफ क्रेडिट योजना का लाभ स्टूडेंट्स को देना सबसे पहले शुरू कर दिया है. इसका फायदा उन स्टूडेंट्स को होगा जो किसी कारण से अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं और बाद में 'इन्हें' फिर से उसी क्लास में एडमिशन लेना पड़ता था. इस योजना के अंतर्गत अब अगर कोई स्टूडेंट बीच में पढ़ाई छोड़ता है तो वह जब दोबारा चाहे अगली क्लास में एडमिशन ले सकता है. ऐसी स्थिति में उसे रेग्युलर स्टूडेंट ही माना जाएगा. गौरतलब है कि यूनिवर्सिटी में हर साल बहुत कार्यों से एडमिशन लेने के बाद पढ़ाई पूरी किए बिना बीच में ही ड्रॉप आउट हो जाते हैं.

क्या है एबीसी

अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एक वर्चुअल स्टोर हाउस है जो स्टूडेंट के एकेडमिक क्रेडिट का रिकॉर्ड रखेगा. इन्हीं क्रेडिट या नंबरों के आधार पर स्टूडेंट को डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट दिया जाएगा. इसे नेशनल अकादमिक डिपॉजिटरी के तौर पर तैयार किया गया है.



CONCEPT PIC

ये होगा फायदा

- विभिन्न संस्थानों से कोर्स चुन सकेंगे
- दूसरे संस्थान में अपनी रुचि के सबजेक्ट में एडमिशन ले सकेंगे

सात साल तक वैध

क्रेडिट स्टोरेज सिस्टम स्टूडेंट को अपने हिसाब से पढ़ाई करने की छुट देगा. इस बैंक में स्टोर किए गए क्रेडिट अधिकतम सात साल तक वैध रहेंगे. ख़त साल तक इसका लाभ उठाया जा सकेगा.

इन कार्यों में मान्य

- यूजीसी से मान्य सभी कोर्स
- इंजिनियरिंग के कोर्स
- मेडिकल के कोर्स
- डेंटल कोर्स
- लॉ के कोर्स

क्या होगा प्रोसेस

- तीन से चार साल में होंगे स्टूडेंट्स के पास मल्टीपल एंट्री और एग्जिट का आखन
- फर्स्ट इयर में स्टूडेंट्स को दिया जाएगा सर्टिफिकेट
- सेकंड इयर में एडवांस डिप्लोमा
- थर्ड इयर में स्टूडेंट्स को प्रदान की जाएगी डिग्री
- फोर्थ इयर में स्टूडेंट्स को प्रदान की जाएगी बैचलर डिग्री व रिसर्च सर्टिफिकेट

कैसे काम करेगा एबीसी

इस बैंक में हर स्टूडेंट को खाता खोलना होगा. जिसके बाद विशिष्ट आईडी और मानक संचालन प्रक्रिया एसओपी उसे दिया जाएगा. स्टूडेंट के अग्रउट में शिक्षा संस्थान की ओर से उसके पढ़ाई से संबंधित क्रेडिट दिया जाएगा. इस योजना के तहत अगर छात्र पढ़ाई बीच में छोड़ देता है तो उसकी पढ़ाई बेकार नहीं होगी. बल्कि फर्स्ट इयर से लेकर लास्ट इयर तक प्रत्येक साल के लिए अलग-अलग सर्टिफिकेट उसे दिया जाएगा.

LU, Khwaja univ to accept admission forms till August 7

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The process to submit admission forms for undergraduate courses in state universities and colleges will end by next week. The last date to apply for undergraduate and postgraduate courses in Lucknow University and Khwaja Moinuddin Chisti Language University (KMCLU) is August 7.

However, Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University will accept the admission forms till August 16.

“LU will not extend the date for submission of admission forms. The dates for entrance test will be declared shortly,” LU spokesperson Durgesh Srivastava said, adding that this time examination centres would be set up not only in Lucknow, but in other cities also. While the admission to professional courses offered by the university will be done through entrance test, merit will be the only criteria for finalising admission to regular courses.

Meanwhile, the last date to apply for admission to LU



While the admission to professional courses offered by the university will be done through entrance test, merit will be the only criteria for finalising admission to regular courses

autonomous college, National PG college, Avadh Girls' College and Shia PG college is August 10. For Vidyant PG College the last date is August 15 and for Kalicharan PG College August 20.

KMCLU spokesperson Tanu Dang said, “The admission at KMCLU will be on merit basis.”

हाइटिक कन्ट्रोल रूम से नजर, केन्द्रों की 500 मीटर परिधि में धारा 144 लागू

बीएड के लिए आज कड़ी परीक्षा

प्रवेश परीक्षा

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

बीएड परीक्षा प्रदेश के 75 जिलों में सुबह 9 से 12 एवं दोपहर दो से पांच बजे छह अगस्त को होगी। प्रवेश परीक्षा के लिए प्रदेश में 5 लाख 91 हजार 305 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। लखनऊ में 32,477 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। प्रवेश परीक्षा को नकल विहीन बनाने और मालसजाओं से बचाने के लिए परीक्षा केन्द्रों पर सख्त परीक्षण के बाद प्रवेश देया जाएगा। अभ्यर्थियों की उपस्थिति फेशियल बायोमेट्रिक सिस्टम से दर्ज की जाएगी। सभी जिलों में प्रश्न पत्र पत्र पहुंचाए जा चुके हैं। इस वर्ष प्रवेश परीक्षा का आयोजन एल्यू कर रहा है।

परीक्षा की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई ने बताया कि तैयारी पूरी हो गई है। इस वर्ष कोविड किट सभी अभ्यर्थियों को दी जा रही है। निगरानी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में हाइटिक कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जहां से ऑनलाइन नजर रखी जाएगी। एक कम्प्यूटर से 10 जिलों में निगरानी की जाएगी। केन्द्रों की 500 मीटर परिधि में धारा 144 लागू रहेगी।

लखनऊ विवि करा रहा है परीक्षा का आयोजन

1476	75	5,91,305	302
परीक्षा केन्द्र बनाए गए प्रदेश भर में	जिलों में होगा प्रवेश परीक्षा का आयोजन	अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकृत, लखनऊ में 32,477 अभ्यर्थी देगे प्रवेश परीक्षा	दृष्टि बाधित छात्र भी बैठेंगे परीक्षा में

महिला अभ्यर्थी अधिक संख्या में	महिलाएं पुरुष	3,27,011 2,64,294
---------------------------------------	---------------	------------------------------------

3,6205	45066	9420
कला वर्ग के अभ्यर्थी	विज्ञान वर्ग के अभ्यर्थी	वाणिज्य के अभ्यर्थी

दो पाली में होगी परीक्षा

संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2021 दो पालियों में होगी। 9 से 12 तक होने वाली पहली पाली में अभ्यर्थियों को सामान्य ज्ञान और भाषा सम्बंधी प्रश्न पत्र हल करने होंगे। वहीं दोपहर दो से पांच तक होने वाली दूसरी पाली में अभ्यर्थियों को सामान्य मानसिक योग्यता व विषय सम्बंधी प्रश्न पत्र हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 100 सवाल होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होगी।

14 नोडल परीक्षा केन्द्र

बुंदेलखण्ड विवि चौधरी चरण सिंह विवि, छत्रपति साहू जी महाराज विवि, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि, डा. भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, राम मनोहर लोहिया अवध विवि, जन नारायण चन्द्र शेखर आज़ाद विवि बलिया, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विवि, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, बनारस हिन्दू विवि, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भईया विवि प्रयागराज, एल्यू एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।



अभ्यर्थी ध्यान रखें

1. फेशियल बायोमेट्रिक सिस्टम से गुजरना होगा
2. केन्द्र के अन्दर मोबाइल, बैग व अन्य सामान नहीं ले जा सकेंगे
3. परीक्षा केन्द्रों पर बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित रहेगा
4. अभ्यर्थियों के अभिभावक भी परीक्षा केन्द्र के बाहर तक ही रह सकेंगे
5. अभ्यर्थी प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से साथ रखें अन्यथा परीक्षा से वंचित रखा जा सकता है

बीबीए-एमबीए का रिजल्ट जारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में हाल में हुई बीबीए आईबी छठे सेमेस्टर व ए म बी ए (पांच वर्षीय पाठ्यक्रम) छठे सेमेस्टर का परीक्षा



परिणाम जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना परिणाम देख सकते हैं।

भाषा विवि के कई परिणाम जारी

लखनऊ। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2020-21 की बीए ऑनर्स अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, इतिहास, गृह विज्ञान, बीएड व पीजी में एमए उर्दू, एमकॉम, एमबीए फाइनेल सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक संजय कुमार ने बताया कि उक्त के साथ ही पहली बार ऑनलाइन हुए वीटैक के चौथे सेमेस्टर के भी परिणाम जारी कर दिए गए हैं। विद्यार्थी विभाग से इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

1,476 केंद्रों पर बीएड प्रवेश परीक्षा आज

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से संयुक्त

बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन शुक्रवार को किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेशभर में 1,476 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए एल्यू प्रशासन द्वारा इस बार ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) व मशीन लर्निंग का प्रयोग किए जाने का दावा किया गया है। सुबह नौ बजे से 12 और दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक दो पालियों में होने वाली परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को एक घंटे पहले केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा। राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा को लेकर तैयारी पूरी

तैयारी

- लखनऊ विश्वविद्यालय का एआइ तकनीक और मशीन लर्निंग से गड़बड़ी रोकने का दावा
- टैगोर लाइब्रेरी में बनाया गया कमांड सेंटर, हर पल परीक्षार्थियों पर रहेगी नजर

है। परीक्षा के लिए सभी नोडल केंद्रों पर निर्देश पुस्तिका, पैकिंग सामग्री, कोरोना सुरक्षा किट व परीक्षा की गोपनीय सामग्री पहले ही भेजी जा चुकी है। परीक्षा के दिन केंद्र के 500 मीटर तक फोटो कापी की दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक परीक्षार्थी को कोविड किट फेस

बीएड प्रवेश परीक्षा के आंकड़े	
परीक्षार्थी	5,91,305
पुरुष परीक्षार्थी	3,27,011
महिला परीक्षार्थी	2,64,294
राजधानी में केंद्र	130
राजधानी में परीक्षार्थी	53,761
नोडल विश्वविद्यालय	14

शीट, सैनिटाइजर आदि मौके पर ही उपलब्ध कराई जाएगी।

अभ्यर्थी परीक्षा कक्ष में मोबाइल, कैलकुलेटर अथवा अन्य कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं ले जा सकेंगे। पकड़े जाने पर अभ्यर्थी को परीक्षा से निष्कासित कर दिया जाएगा और उसकी परीक्षा भी निरस्त की जाएगी।

लविवि में 8245 सीटों के लिए अब तक 60 हजार आवेदन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। यूपी बोर्ड, सीबीएसई और सीआईएससी बोर्ड 12 वीं के परिणाम आने के बाद स्नातक में प्रवेश आवेदन की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। तीनों बोर्ड के सौ फीसद रिजल्ट से लखनऊ विश्वविद्यालय समेत सभी

महाविद्यालय में सीटों के लिए मारामारी बढ़ गई है। एल्यू में सात अगस्त तक प्रवेश के लिए आवेदन किया जा सकता है। गुरुवार तक स्नातक की 3845



और परास्नातक की 4400 सीटों के सापेक्ष 60 हजार अभ्यर्थी आवेदन कर चुके हैं। वहीं केकेसी कॉलेज में 3500 सीटों के लिए दो गुना से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। ऐसी ही अधिकांश महाविद्यालयों की भी

स्थिति है। नेशनल कॉलेज, केकेसी और शिया कॉलेज में आवेदन की तिथि 10 अगस्त है। हालांकि लखनऊ विश्वविद्यालय समेत महाविद्यालयों में अभी एक बार और आवेदन तिथि बढ़ाए जाने की संभावना है। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा ऑफलाइन कराने जा रहा है। जिसके लिए परीक्षा में आने वाले प्रश्न पत्र का प्रारूप जारी भी कर दिया गया है। सत्र 2021-22 की प्रवेश परीक्षा

बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र प्रणाली के आधार पर होगी। जिसमें 100 सवाल अभ्यर्थियों को हल करने होंगे। प्रत्येक सवाल के लिए दो अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रवेश परीक्षा की तिथि पर निर्णय अभी नहीं लिया गया है।

एल्यू के छात्रावासों के जीर्णोद्धार के लिए धनराशि स्वीकृत

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के छात्रावासों के जीर्णोद्धार/मरम्मत के लिए तृतीय किस्त के रूप में कुल 458.44 लाख (04 करोड़ 58 लाख 44 हजार) रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश में निर्देशित

किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग उसी कार्य के लिए किया जाएगा जिस कार्य हेतु धनराशि स्वीकृत की जा रही है। उपकरणों का क्रय सुसंगत नियमों एवं शासनादेशों के अनुसार करते हुए किया जाए। परियोजना अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की द्विआवृत्ति को रोकने की दृष्टि से प्रायोजना की स्वीकृति से पूर्व

विभाग द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा कि यह कार्य पूर्व में किसी अन्य योजना के अंतर्गत ना तो स्वीकृत है और ना वर्तमान में किसी अन्य योजना में अच्छादित किया जाना प्रस्तावित है। प्रायोजना का कार्य अनुमोदन लागत में ही यथाशीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए तथा भविष्य में योजना का कोई भी पुनरीक्षण स्वीकार नहीं होगा।